

हागै

मंदिर बनाने का समय

1 परमेश्वर यहोवा का सन्देश नबी हागै के द्वारा शालतीएल के पुत्र यहूदा के शासक जरुब्बाबेल और यहोसादाक के पुत्र महायाजक यहोशू को मिला। यह सन्देश फारस के राजा दारा के दूसरे वर्ष के छठें महीने के प्रथम दिन मिला था। इस सन्देश में कहा गया: ²सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है, “लोग कहते हैं कि यहोवा का मंदिर बनाने के लिये समय नहीं आया है।”

³तब यहोवा का संदेश नबी हागै के द्वारा आया, जिसमें कहा गया था: ⁴“क्या यह तुम्हारे स्वयं के लिये लकड़ी मढ़े मकानों में रहने का समय है जबकि यह मंदिर अभी खाली पड़ा है? ⁵यही कारण है कि सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है: जो कुछ तुम्हारे साथ घट रहा है उस के बारे में सोचो।”

⁶तुमने बोया बहुत है, पर तुम काटते हो नहीं के बराबर। तुम खाते हो, पर तुम्हारा पेट नहीं भरता। तुम पीते हो, पर तुम्हें नशा नहीं होता। तुम वस्त्र पहनते हो, किन्तु तुम्हें पर्याप्त गरमाहट नहीं मिलती। तुम जो थोड़ा बहुत कमाते हो पता नहीं कहां चला जाता है; लगता है जैसे जेबों में छेद हो गए हैं।’

⁷“सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, ‘जो कुछ तुम्हारे साथ घट रहा है उसके बारे में सोचो! ⁸पर्वत पर चढ़ो। लकड़ी लाओ और मंदिर को बनाओ। तब मैं मंदिर से प्रसन्न होऊँगा, और सम्मानित होऊँगा।” यहोवा यह सब कहता है।

⁹सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, “तुम बहुत अधिक पाने की चाह में रहते हो, किन्तु तुम्हें नहीं के बराबर मिलता है। तुम जो कुछ भी घर पर लाते हो, मैं इसे उड़ा ले जाता हूँ! क्यों? क्योंकि मेरा मंदिर खंडहर पड़ा है। किन्तु तुम लोगों में हर एक को अपने अपने घरों की पड़ी है। ¹⁰यही कारण है कि आकाश अपनी

ओस तक रोक लेता है, और इसी कारण भूमि अपनी फसल नहीं देती। ऐसा तुम्हारे कारण हो रहा है।”

¹¹यहोवा कहता है, “मैंने धरती और पर्वतों पर सूखा पड़ने का आदेश दिया है। अनाज, नया दाखमधु, जैतून का तेल, या वह सभी कुछ जिसे यह धरती पैदा करती है, नष्ट हो जायेगा! तथा सभी लोग और सभी मवेशी कमजोर पड़ जायेंगे।”

नये मंदिर के कार्य का आरम्भ

¹²तब शालतीएल के पुत्र जरुब्बाबेल और यहोसादाक के पुत्र महायाजक यहोशू ने सब बचे हुये लोगों के साथ अपने परमेश्वर यहोवा का सन्देश और उसके भेजे हुये नबी हागै के वचनों को स्वीकार किया और लोग अपने परमेश्वर यहोवा से भयभीत हो उठे।

¹³परमेश्वर यहोवा के सन्देशवाहक हागै ने लोगों को यहोवा का सन्देश दिया। उसने यह कहा, “मैं तुम्हारे साथ हूँ।”

¹⁴तब परमेश्वर यहोवा ने शालतीएल के पुत्र यहूदा के शासक जरुब्बाबेल को प्रेरित किया और परमेश्वर यहोवा ने यहोसादाक के पुत्र महायाजक यहोशू को भी प्रेरित किया और परमेश्वर यहोवा ने बाकी के सभी लोगों को भी प्रेरित किया। तब वे आये और अपने सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा के मंदिर के निर्माण में काम करने लगे। ¹⁵उन्होंने यह राजा दारा के दूसरे वर्ष के छठें महीने के चौबीसवें दिन किया।

यहोवा का लोगों को प्रेरित करना

2 यहोवा का सन्देश सातवें महीने के इक्कीसवें दिन हागै को मिला। सन्देश में कहा गया, ²“अब यहूदा के शासक शालतीएल के पुत्र जरुब्बाबेल, यहोसादाक के

पुत्र महायाजक यहोशू और जो लोग बचे हैं उनसे बातें करो और कहो: ³“क्या तुममें कोई ऐसा बचा है जिसने उस मंदिर को अपने पहले के वैभव में देखा है। अब तुमको यह कैसा लग रहा है? क्या खण्डहर हुआ यह मन्दिर उस पहले वैभवशाली मन्दिर की तुलना में कहीं भी ठहर पाता है?” ⁴किन्तु जरुब्बाबेल, अब तुम साहसी बनो! यहोवा यह कहता है, ‘यहोसादाक के पुत्र महायाजक यहोशू, तुम भी साहसी बनो और देश के सभी लोगों तुम भी साहसी बनो!’ यहोवा यह कहता है, ‘काम करो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ!’ सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है।”

⁵यहोवा कहता है, “जहाँ तक मेरी प्रतिज्ञा की बात है, जो मैंने तुम्हारे मित्र से बाहर निकलने के समय तुमसे की है, वह मेरी आत्मा तुममें है। डरो नहीं! ⁶क्यों? क्योंकि सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है: ‘एक बार फिर मैं शीघ्र ही पृथ्वी और आकाश एवं समुद्र और सूखी भूमि को कम्पित करूँगा! ⁷मैं सभी राष्ट्रों को कंपा दूँगा और वे सभी राष्ट्र अपनी सम्पत्ति के साथ तुम्हारे पास आएँगे। तब मैं इस मंदिर को गौरव से भर दूँगा! सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है। ⁸उनकी चाँदी मेरी है और उनका सोना मेरा है।’ सर्वशक्तिमान यहोवा यही कहता है। ⁹इस मंदिर का परवर्ती गौरव प्रथम मंदिर के गौरव से बढ़कर होगा। सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है ‘और इस स्थान पर मैं शान्ति स्थापित करूँगा। सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है।’

कार्य आरंभ हो चुका है वरदान प्राप्त होगा

¹⁰यहोवा का सन्देश दारा के दूसरे वर्ष के नौवें महीने के चौबीसवें दिन नबी हागै को मिला। सन्देश में कहा गया था, ¹¹सर्वशक्तिमान यहोवा यह कहता है, अब याजक से पूछो कि व्यवस्था क्या है: ¹²“संभव है कोई व्यक्ति अपने कपड़ों की तहों में पवित्र मांस ले चले। संभव है कि उस कपड़े की तह से जिसमें वह पवित्र मांस ले जा रहा हो, रोटी, या पका भोजन, दाखमधु, तेल या किसी अन्य भोजन का स्पर्श हो जाय। क्या वह चीज जिसका स्पर्श तह से होता है पवित्र हो जायेगी?”

याजक ने उत्तर दिया, “नहीं।”

¹³तब हागै ने कहा, “संभव है कोई व्यक्ति किसी शव को छूले। तब वह अपवित्र हो जाएगा। किन्तु यदि वह किसी चीज को छूँगा तो क्या वह अपवित्र हो जायेगी?”

तब याजक ने उत्तर दिया, “हाँ, वह अपवित्र हो जाएगा।”

¹⁴तब हागै ने उत्तर दिया, “परमेश्वर यहोवा कहता है, ‘मेरे सामने इन लोगों के प्रति वही नियम है, और वही नियम इस राष्ट्र के प्रति है! उसके हाथों ने जो कुछ किया वही नियम उसके लिए भी है। जो कुछ वे अपने हाथों भेंट करेंगे वह भी अपवित्र होगा। ¹⁵किन्तु अब कृपया सोचें, आज के पहले क्या हुआ, इसके पूर्व कि यहोवा, परमेश्वर के मंदिर में एक पत्थर पर दूसरा पत्थर रखा गया था? ¹⁶एक व्यक्ति बीस माप अनाज की ढेर के पास आता है, किन्तु वहाँ उसे केवल दस ही मिलते हैं और जब एक व्यक्ति दाखमधु के पीपे के पास पचास माप निकालने आता है तो वहाँ वह केवल बीस ही पाता है! ¹⁷मैंने, तुम्हें और तुम्हारे हाथों ने जो कुछ किया उसे दण्ड दिया। मैंने तुमको उन बीमारियों से, जो पौधों को मारती है, और फफूँदी एवं ओलो से, दण्डित किया। किन्तु तुम फिर भी मेरे पास नहीं आए।’ यहोवा यह कहता है।”

¹⁸यहोवा कहता है, “इस दिन से आगे सोचो अर्थात् नौवें महीने के चौबीसवें दिन से जिस दिन यहोवा, के मंदिर की नींव तैयार की गई। सोचो। ¹⁹क्या बीज अब भी भण्डार-गृह में है? क्या अंगूर की बेलें, अंजीर के वृक्ष, अनार और जैतून के वृक्ष अब तक फल नहीं दे रहे हैं? नहीं! किन्तु आज के दिन से, आगे के लिए मैं तुम्हें आशीर्वाद दूँगा।”

²⁰तब महीने के चौबीसवें दिन हागै को दूसरी बार यहोवा का सन्देश मिला। सन्देश में कहा गया, ²¹“यहूदा के प्रशासक जरुब्बाबेल से कहो, ‘मैं आकाश और पृथ्वी को कंपाने जा रहा हूँ ²²और मैं राज्यों के सिंहासनों को उठा फेंकूँगा और राष्ट्रों के राज्यों की शक्ति को नष्ट कर दूँगा और मैं रथों और उनके सवारों को नीचे फेंक दूँगा। तब घोड़े और उनके घुड़सवार गिरेंगे। भाई, भाई का दुश्मन हो जाएगा। ²³सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, ‘मैं उस दिन शालतीएल के पुत्र, अपने सेवक, जरुब्बाबेल को लूँगा।’ यहोवा परमेश्वर यह कहता है और मैं तुम्हें मुद्रा अंकित करने की अंगूठी बनाऊँगा। क्यों? क्योंकि मैंने तुम्हें चुना है।”

सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा है।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center

Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center

All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online ad space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center

P.O. Box 820648

Fort Worth, Texas 76182, USA

Telephone: 1-817-595-1664

Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE

E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: <http://www.wbtc.org>

Order online – To order a copy of our texts online, go to: <http://www.wbtc.org>

Current license agreement – This license is subject to change without notice. The current license can be found at: <http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm>

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html>

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html>